तोड़ के बंधन सभी,रूहों आ जाओ री आओ
कब से पुकारूं तुम्हें,रूहों आ जाओ री आओ

1- दीवाना बन के घूम रहा हूँ,
इक इक रूह को ढूंढ रहा हूँ
तन मन मैंने वारा तुम्हीं पर,अब तो न देर लगाओ

2- और काम कछु नाहीं मुझको,
देता रहूँ तुम्हें लाड लज्ज़त
मुख मेरा देखन को ए मेरी रूहो
ये नैनां तुम्हारे क्यूँ न तरसत
किस विध तुमको जगाऊं मैं रूहो,
अब तो तुम बतलाओ

3- दुख न दिखाऊं तो ए मेरी रूहो
याद तुम्हें मैं किस विध आऊं
घबरा कर जब याद करोगी
नेहचे तुम्हें मैं मिल जाऊं
दुख तो बहाना है मेरे मिलन का,इससे न घबराओ

Nijanand App

4- मुर्दा बन कर कब तक जीओगे,
कब तक इस दुनिया से डरोगे
वाणी को लेकर धामधनी की,
जाहिर भी तो तुम ही करोगे
प्राणनाथ हैं सिर पर तुम्हारे,अब न तुम घबराओ

Nijanand App